लियो जन्म नन्दलाल | by Bharti Kumawat

छाई गोकुल में हरयाली कोयल कूके काली काली
लियो आज रे जनम नन्दलाल ने
खुशियां नन्द गांव में आई हीरे मोती दिए लुटाई
लीला कैसी रे दिखाई गोपाल ने

नन्द बाबाजी खुशी में झूमे अपने होश गवाए
हीरा मोती और अशर्फी दोनों हाथ लुटाएं
मेरे श्याम को नज़र ना लगा जाए
बड़े दिनों के बाद मिली है ऐसी खुशी निराली
हो गई चारों तरफ दिवाली झूले पड़ गए आम की डाली
लियो आज रे जनम नन्दलाल ने

कान्हा के दर्शन करने को सभी देव ललचाये
प्यारे प्यारे मुखड़े के हम कैसे दर्शन पाएं
पलना में कन्हैया मुस्काये
आज खुशी में झूम रही है जमुना काली काली
आँखें इनकी काली काली लटके लट जिनपे घुंघराली
दिल सबका चुराया घनश्याम ने

गोंद उठाये नन्द रानी जी मुखड़ा चूमे जाए
जो दुनिया को नाच नचाये इनके अंगना आये
तेरा गुणगान भारती अब गाये
आज ब्रज की शोभा लगती स्वर्ग लोक से प्यारी
ज्योति भजन बनाये जाए सत्य बलि बलि जाए
लियो आज रे जनम नन्दलाल ने

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a4%ae-%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b2-by-bharti-kumawat/